भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या: 1932
गुरुवार, 11 दिसंबर, 2025/20 अग्रहायण, 1947 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

कासरगोड में क्षेत्रीय हवाई संपर्क

1932. श्री राजमोहन उन्नीथनः

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने कासरगोड जिले के लिए क्षेत्रीय हवाई संपर्क की कमी का आकलन किया है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या कासरगोड जिले के लिए 'उड़ान' के अंतर्गत नए क्षेत्रीय हवाई मार्गों के लिए किसी प्रस्ताव पर विचार किया गया है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) अपेक्षित बोली प्रक्रिया, संचालक चयन और ऐसे मार्गों के आरंभ के लिए समय-सीमा क्या है?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) से (ग): आरसीएस-उड़ान एक बाजार-आधारित सतत योजना है जिसका उद्देश्य असेवित और अल्पसेवित क्षेत्रों को वहनीय हवाई संपर्क प्रदान करना है। ऐसी हवाईपट्टियों, हेलीपोर्टों और वॉटर एयरोड्रोमों की सूची को राज्य सरकारों के परामर्श से अंतिम रूप दिया गया है। सूचीबद्ध हवाईपट्टियों पर संपर्क के प्रावधान के लिए समय-समय पर बोली प्रक्रिया के चरण आयोजित किए जाते हैं।

केरल राज्य सरकार ने 'उड़ान' योजना में शामिल करने हेतु कासरगोड जिले में किसी भी हवाईपट्टी के विद्यमान होने का संकेत नहीं दिया है।

तथापि, केरल सरकार द्वारा प्रस्तावित कासरगोड वॉटर एयरोड्रोम को 'उड़ान' दस्तावेज के तहत वॉटर एयरोड्रोमों की संभावित सूची में शामिल किया गया है।

'उड़ान' 5.5 बोली प्रक्रिया के चरण के दौरान, कासरगोड (वॉटर एयरोड्रोम) के लिए बोलियां प्राप्त हुईं थी और कासरगोड को मंगलोर और कन्नूर से जोड़ने वाले मार्गों पर सीप्लेन परिचालनों के लिए आशय पत्र (एलओआई) जारी किया गया है।

इस योजना के प्रावधानों के अनुसार, वॉटर एयरोड्रोम के लिए आवश्यक अवसंरचना केरल राज्य सरकार द्वारा विकसित की जानी है। अवसंरचना और प्रचालक के तैयार होने के पश्चात परिचालन आरंभ किया जाएगा।

*****